1.परिचयात्मक

अगुआः पिता पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर
सबः आमेन
अगुआः प्रभु हमें प्रार्थना करना सिखाईये
सबः प्रभु अपनी पवित्र आत्मा से हमें भर दीजिये
अगुआः पिता पुत्र और पवित्र आत्मा की बड़ाई होवे
सबः जैसे वह आदि मे थी अब और अनंत काल के लिये, आमेन
अगुआः आईये हम पिता से प्रार्थना करें जैसे कि हमें येसु ने सिखाया है
सबः हे पिता हमारे तू जो स्वर्ग में है.............

गीत

2. भजन संहिता- स्त्रोत ग्रंथ 46

[1] ईश्वर हमारा आश्रय और सामर्थ्य है। वह संकट में सदा हमारा सहचर है।
[2] इसलिए हम नहीं डरते- चाहे पृथ्वी काँप उठे, चाहे पर्वत समुद्र के गर्त्त में डूब जाये,
[1] चाहे सागर की प्रचण्ड लहरें फेन उगले और पर्व उनकी टक्कर से हिल जाये
[2] एक नदी की धाराएँ ईश्वर के नगर को सर्वोच्च ईश्वर के पवित्र निवास स्थान को आनन्द प्रदान करती हैं।
[1] ईश्वर उस नगर में रहता है वह कभी पराजित नहीं होगा। ईश्वर प्रातः काल उसकी सहायता करेगा।
[2] राष्ट्रों में खलबली मची हुई है राज्य डगमगाते हैं। प्रभु की वाणी सुन कर पृथ्वी पिघलती है
[1] विश्व मण्डल का प्रभु हमारे साथ है, याकूब का ईश्वर हमारा गढ़ है।
[2] आओ! प्रभु के महान् कार्यों को मनन करो वह पृथ्वी पर अपूर्व चमत्कार दिखाता है
[1] वह पृथ्वी भर के युद्धों को शान्त करता वह धनुष को तोड़ता, भाले के टुकड़े - टुकड़े करता और युद्ध रथों को अग्नि में भस्म कर देता है।
[2] "शान्त हो और जान लो कि मैं ही ईश्वर हूँ, मैं राष्ट्रों और पृथ्वी पर विजयी हूँ''।

[1] पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा की महिमा.......
[2] जैसे वह आदि मे..........

[1व2] ईश्वर हमारा आश्रय और सामर्थ्य है। वह संकट में सदा हमारा सहचर है।

गीत (स्तुति और आराधना के समय के तुरंत बाद)

3. ईशवचन

लूकस 24:36-49

वे इन सब घटनाओं पर बातचीत कर ही रहे थे कि ईसा उनके बीच आ कर खड़े हो गये! उन्होने उन से कहा, “तुम्हें शान्ति मिले! परन्तु वे विस्मित और भयभीत हो कर यह समझ रहे थे कि वे कोई प्रेत देख रहे हैं। ईसा ने उन से कहा, “तुम लोग घबराते क्यों हो? तुम्हारे मन में सन्देह क्यों होता है? मेरे हाथ और मेरे पैर देखो- मैं ही हूँ। मुझे स्पर्श कर देख लो प्रेत के मेरे - जैसा हाड़-माँस नहीं होता।’’ उन्होंने यह कह कर उन को अपने हाथ और पैर दिखाये। जब इस पर भी शिष्यों को आनन्द के मारे विश्वास नहीं हो रहा था और वे आश्चर्य चकित बने हुए थे, तो ईसा ने कहा, ’’क्या यहाँ तुम्हारे पास कुछ खाने को कुछ है?’’ उन्होने ईसा को भुनी मछली का एक टुकड़ा दिया। उन्होने उसे लिया और उनके सामने खाया।

ईसा ने उन से कहा, ’’ मैनें तुम्हारे साथ रहते समय तुम लोगों से कहा था कि जो कुछ मूसा की संहिता में और नबियों नें तथा भजनों में मेरे विषय में लिखा है, सब का पूरा हो जाना आवश्यक है’’। तब उन्होंने उनके मन का अन्धकार दूर करते हुए उन्हें धर्मग्रन्थ का मर्म समझाया और उन से कहा, “ऐसा ही लिखा है कि मसीह दुःख भोगेंगे, तीसरे दिन मृतको में से जी उठेंगे और उनके नाम पर येरूसालेम से ले कर सभी राष्ट्रों को पापक्षमा के लिये पश्चाताप का उपदेश दिया जायेगा। तुम इन बातों के साक्षी हो। देखो, मेरे पिता ने जिस वरदान की प्रतिज्ञा की है, उसे मैं तुम्हारे पास भेजूँगा इसलिए तुम लोग शहर में तब तक बने रहो, जब तक ऊपर की शक्ति से सम्पन्न न हो जाओ।’’

4. ईशवचन पर मनन

सभी बैठकर धर्मोपदेश या एक व्याख्यान को सुनते हैं जो कि धर्मग्रंथ के पाठों और प्रतिबद्धता एवं शपथ के प्रसंग को, जो चुने गये है, उनके लिये शुद्धिकरण की एक बुलाहट, और कलीसिया और पूरे मानव जाति की भलाई के लिये, ईश्वर के एक उपहार के रूप में प्रस्तुत करता है।

5. जीसस यूथ पुर्नप्रतिबद्धता की शपथ

आमंत्रण

समन्वयक उन सभी को आमंत्रित करता है,
जो कि प्रतिबद्धता की शपथ लेना चाहते है।

समन्वयकः जो सभी प्रतिबद्धता की शपथ लेना चाहते हैं, कृपया खड़े हो जाये (या फिर आगे आ जाये)

परीक्षण

आयोजक: खीस्त में मेरे भाईयो और बहनों, जल और पवित्र आत्मा के द्वारा आप पहले से ही प्रभु की सेवा में अर्पित किये जा चुके हैं। क्या आप जीसस यूथ में प्रतिबद्धता की शपथ के बंधन के द्वारा उससे और अधिक निकटता से जुड़े रहने का संकल्प लेते हैं?

अभ्यर्थी: ईश्वर की सहायता से, हम चाहते हैं।

आयोजक: आपकी खीस्त को और परिपूर्णता से अनुसरण करने की इच्छा में, क्या आप जीसस यूथ की आध्यात्मिकता का अनुसरण करने के लिये, जीस्स यूथ में चल रहे प्रशिक्षण को प्राप्त करने के लिये और जीसस यूथ की अपोस्तोलिक गतिविधियों में भाग लेने के लिये, कलीसिया के शिक्षण प्राधिकरण के प्रति विश्वसनीय बने रहने का संकल्प लेते है?

अभ्यर्थी: ईश्वर की सहायता से, हम चाहते हैं।

आयोजक: सर्वशक्तिमान ईश्वर आपको अपना संकल्प पूर्ण करने के लिये आशीष प्रदान करे।

आयोजक: मेरे प्रिय भाईयों और बहनों आप ईश्वर और पवित्र कलीसिया से क्या माँगते हैं?

अभ्यर्थी: हम जीसस यूथ में और उसके द्वारा भक्तिपूर्वक ईश्वर की सेवा करने के लिये उनकी दया और उनकी आशीष माँगते हैं।

प्रतिबद्धता और शपथ पर हस्ताक्षर करना

आयोजक वेदी के सामने बैठता है। दो वरिष्ठ अगुवे गवाह के रूप में आयोजक के बगल में खड़े होते हैं। अभ्यर्थी आयोजक के सामने घुटने टेककर एक एक कर के प्रतिबद्धता की शपथ पढ़ते हैं। प्रतिबद्धता की शपथ पढ़ने के बाद, अभ्यर्थी साक्षियों की उपस्थिति में वेदी के ऊपर शपथ पर हस्ताक्षर करते हैं और पत्र को वेदी के के मध्य में रखता है। (यह समूहों में भी किया जा सकता है, जहाँ प्रतिबद्धता की शपथ लेने वालों की संख्या बड़ी हैं)

जिन लोगों ने शपथ ली है उनके लिये प्रार्थना

आयोजक: प्रभु, अपने इन पुत्र ओर पुत्रियों पर द्दष्टि डाल, जिन्होंने आज तेरी कलीसिया की उपस्थिति में अपने जीवन को शपथ लेकर प्रतिबद्ध करने की ठानी है। दयापूर्वक ऐसा कर कि उनके जीवन जीने का तरीका तेरे नाम को और आगे चल कर तेरे प्रेममय मुक्तिविधान को महिमान्वित करे। हम यह ख्रीस्त हमारे प्रभु के द्वारा मांगते हैं।

सब: आमेन।

6. उत्तर

आइये माता कलीसिया के साथ पवित्र आत्मा का स्वागत करें -
''उतर हे आत्मा सृजन हार''

अगुआः आओ पावन आत्मा सृजनहार, और हमारी आत्माओं में अपना स्थान ग्रहण करो
सबः आओ पावन आत्मा सृजनहार, और हमारी आत्माओं में अपना स्थान ग्रहण करो

अगुआः अपनी आशीषों और स्वर्गीय वरदानों के साथ उन हृदयों को भरने आओ जिन्हें आपने बनाया है
सबः आओ पावन आत्मा सृजनहार, और हमारी आत्माओं में अपना स्थान ग्रहण करो

अगुआः ओ दिलासा देने वाले, हम तुझे पुकारते हैं, ओ सर्वोच्च ईश्वर के कृपादान, ओ जीवन के झरने और प्रेम की अग्नि और आत्मा का का शीतल मरहम।
सबः आओ पावन आत्मा सृजनहार, और हमारी आत्माओं में अपना स्थान ग्रहण करो

अगुआः तुझमें तेरे सात गुना उपहार ज्ञात हैं, तू प्रभु के हाथ की ऊँगली जो हमारे पास है, तू पिता का वादा, तू जो जिव्हा को शक्ति से ओत-प्रोत कर दे।
सबः आओ पावन आत्मा सृजनहार, और हमारी आत्माओं में अपना स्थान ग्रहण करो

अगुआः हमारी ईश्वरीय इंद्री को प्रकाशमान कर दें, और हमारे हृदयों को अपने प्रेम से छलकने दे, ठोस धैर्य और उच्च गुणों के साथ हमारे देह की कमजोरियों की पूर्ति कर।
सबः आओ पावन आत्मा सृजनहार, और हमारी आत्माओं में अपना स्थान ग्रहण करो

अगुआः जिस शत्रु से आतंकित है उसे हमसे दूर कर दे, और बदले में हमें अपनी शाँति प्रदान कर, ताकि हम आपके मागदर्शक के रूप में साथ द्वारा जीवन के मार्ग से न भटके।
सबः आओ पावन आत्मा सृजनहार, और हमारी आत्माओं में अपना स्थान ग्रहण करो

अगुआः ओ तेरा अनुग्रह हम पर हो, जिससे हम पिता और पुत्र को जान ले, और तू, दोनो की शाश्वत आत्मा धन्य हो, जिसे अनंत काल से अंगीकर किया गया है।
सबः आओ पावन आत्मा सृजनहार, और हमारी आत्माओं में अपना स्थान ग्रहण करो

अगुआः अब पिता, और पुत्र जो मृतकों में से जी उठा, तेरे साथ ओ पावन शांतिदायक, अब से पृथ्वी और स्वर्ग में सभी के द्वारा महिमान्वित हों। आमेन
सबः आओ पावन आत्मा सृजनहार, और हमारी आत्माओं में अपना स्थान ग्रहण करो

पवित्र आत्मा द्वारा अभिषेक की विधि

स्वर्गिक साक्षियों की असंख्य भीड़ के समक्ष मैं अपने घुटनो पर आकर, ईश्वर की शाश्वत आत्मा, मैं अपनी आत्मा और शरीर आपको समर्पित करता हूँ। मैं आपके शुद्धता के उजियाले, आपके न्याय की अचूक तीक्ष्णता और आपके प्रेम की महानता की आराधना करता हूँ। आप मेरी आत्मा की शक्ति और प्रकाश हो। आप में ही मैं जीता, चलता और वजूद में हूँ। मैं कभी नहीं चाहता कि मैं आपकों अनुग्रह के प्रति अविश्वसनीयता के द्वारा दुखी करूँ, और मैं सम्पूर्ण हृदय से यह प्रार्थना करता हूँ कि आपके विरूद्ध छोटे से पाप

से भी बचा रहूँ। दयापूर्वक मेरे हर विचार पर पहरा दीजिये और कृपा कीजिये कि मै सदैव आपकी ज्योति की ताक देखूँ और आपकी वाणी को सुनू और आपके कृपापूर्ण प्रेरणाओं का अनुसरण कर सकूँ। मैं दृढ़तापूर्वक आपको थामता हूँ और स्वंय को आपको समर्पित करता हूँ और आपकी दयालुता में आपसे निवेदन करता हूँ कि मेरी कमजोरियों में मेरी रखवाली करें। येसु की छेदित पाँव को थाम कर और उनके पाँचो घावों की ओर देखते हुए और उनके पवित्र लहू पर श्रद्धा रखकर और उनके खुले हुए बगल और घायल हृदय की आराधना करते हुए, मैं आपसे आराध्यतम आत्मा, मेरी दुर्बलता की सहायक, याचना करता हूँ, आपके अनुग्रह में रखने के लिये ताकि मैं आपके विरूद्ध कभी पाप न कर सकूँ।
अपनी कृपा मुझे दीजिये हे पावन पोषिता, पिता और पुत्र की आत्मा, हर जगह और हर घड़ी यह कहने के लिये '' प्रभु कहिये आपका सेवक सुन रहा है'' आमेन।

पवित्र आत्मा की स्तुति विनती

प्रभु दया कर
ख्रीस्त दया कर
प्रभु दया कर
ख्रीस्त हमारी सुन **ख्रीस्त हमारी विनती पूरी कर**
स्वर्ग के पिता परमेश्वर **हमें आशीष प्रदान कर**
पुत्र परमेश्वर दुनिया के मुक्तिदाता **हमें आशीष प्रदान कर**
पवित्र आत्मा परमेश्वर **हमें आशीष प्रदान कर**
पवित्र त्रित्व एक ही परमेश्वर **हमें आशीष प्रदान कर**
पवित्र आत्मा पिता और पुत्र के सदृष्य **आइये और हमे भर दीजिये**
पवित्र आत्मा पिता की प्रतिज्ञा **आइये और हमे भर दीजिये**
पवित्र आत्मा ईश्वर का वरदान **आइये और हमे भर दीजिये**
पवित्र आत्मा जो पृथ्वी को नया बनाता है **आइये और हमे भर दीजिये**
पवित्र आत्मा जो ख्रीस्त पर कपोत के रूप में उतरा **आइये और हमे भर दीजिये**
पवित्र आत्मा जो माता मरियम के ऊपर आया **आइये और हमे भर दीजिये**
पवित्र आत्मा जो पेन्तेकोस्त के दिन प्रेरितों पर आया और उन्हे सामर्थ्यवान बनाया
आइये और हमे भर दीजिये
पवित्र आत्मा जिसने प्रारंभिक ख्रीस्तीय समुदाय को परिपूर्ण किया
हमारा मार्गदर्शन कर
पवित्र आत्मा जो चमत्कार और अचरज के कार्य करता है **हमारा मार्गदर्शन कर**
पवित्र आत्मा जो हमें ख्रीस्त के लिये साक्षी बनना सिखाता है **हमारा मार्गदर्शन कर**
पवित्र आत्मा जो हमें ईश वचन द्वारा शुद्ध करता है **हमारा मार्गदर्शन कर**
पवित्र आत्मा जो हर वक्त कलीसिया में निवास करता है **हमारा मार्गदर्शन कर**
पवित्र आत्मा जो हमें संस्कारो द्वारा सामर्थ्य प्रदान करता है **हमारा मार्गदर्शन कर**
पवित्र आत्मा जो हमें प्रार्थना करना सिखाता है **हमारा मार्गदर्शन कर**
पवित्र आत्मा जो हमें प्रलोभन से उबरने के लिये सामर्थ्य प्रदान करता है
हमारा मार्गदर्शन कर
पवित्र आत्मा जो हमें पाप के प्रति सचेत करता है **हमारा मार्गदर्शन कर**
पवित्र आत्मा जो हमें न्यायप्रियता के प्रति सचेत करता है **हमारा मार्गदर्शन कर**
पवित्र आत्मा जो हमें निर्णय लेना सिखाता है **हमारा मार्गदर्शन कर**

पवित्र आत्मा जो हमें सत्य की सम्पूर्णता में ले जाता है **हमारा मार्गदर्शन कर**
पवित्र आत्मा जो हमें बहुतायत में जीवन देता है **हमारा मार्गदर्शन कर**
प्रज्ञा की आत्मा **हमें शुद्ध कर**
ज्ञान की दिव्य ज्योति **हमें शुद्ध कर**
विवेक का स्त्रोत **हमें शुद्ध कर**
वह जो आध्यात्मिक सामर्थ्य की किरणें फैलाता है **हमें शुद्ध कर**
ज्ञान की ज्योति **हमें शुद्ध कर**
भक्ति की जीवन शक्ति **हमें शुद्ध कर**
ईश्वरीय भय की ज्योति **हमें शुद्ध कर**
विश्वास का आत्मा **हमें शुद्ध कर**
आशा की आत्मा **हमें शुद्ध कर**
प्रेम की आत्मा **हमें शुद्ध कर**
आनंद की आत्मा **हमें शुद्ध कर**
शांति की आत्मा **हमें शुद्ध कर**
विनम्रता की आत्मा **हमें शुद्ध कर**
भद्रता की आत्मा **हमें शुद्ध कर**
क्षमाशीलता की आत्मा **हमें शुद्ध कर**
आत्मसंयम की आत्मा **हमें शुद्ध कर**
भलाई की आत्मा **हमें शुद्ध कर**
दया की आत्मा **हमें शुद्ध कर**
एकता की आत्मा **हमें शुद्ध कर**
पवित्रता की आत्मा **हमें शुद्ध कर**
विश्वसनीयता की आत्मा **हमें शुद्ध कर**
ईश्वरीय संतानो की आत्मा **हमें शुद्ध कर**
कलीसिया के रक्षक **हमें शुद्ध कर**
दिव्य कृपा के स्त्रोत **हमें शुद्ध कर**
पीड़ा में सुकून के दाता **हमें शुद्ध कर**
अनंत ज्योति **हमें शुद्ध कर**
जीवन के झरने का उद्गम **हमें शुद्ध कर**
आध्यात्मिक मरहम **हमें शुद्ध कर**
स्वर्गदूतों का आनंद **हमें शुद्ध कर**
नबियों के प्रेरक **हमें शुद्ध कर**
प्रेरितों के शिक्षक **हमें शुद्ध कर**
शहीदों के शक्ति के स्त्रोत **हमें शुद्ध कर**
सभी संतो के चरमोत्कर्ष **हमें शुद्ध कर**
हे पवित्र आत्मा दयावान **हम पर दया कर**
हे पवित्र आत्मा दयावान **हमारी प्रार्थना सुन**
हे पवित्र आत्मा दयावान **हमें आशीष प्रदान कर**

हे पवित्र आत्मा, पिता और पुत्र के साथ एक, सबो के शुद्धिकर्ता और सूकून देने वाले, अपने सेवकों के ह्रदयों को भर दे। तू सर्वोच्च प्रभु का वरदान, जीवन के झरने का उदगम्, आध्यात्मिक विश्राम, अग्नि और प्रेम है। तू पिता की प्रतिज्ञा और सातों वरदानो का स्वामी है। हमें विचारों की शुद्धता, वाणी की विनम्रता और कार्य में विवेक प्रदान कर। हमें संकट के बीच दृढ़ता, संदेह को मिटाने के लिये विश्वास, जीवन में निराशाओं के मध्य आशा और दूसरों में तुझे देखने के लिये प्रेम प्रदान कर। सारी स्तुति, महिमा और धन्यवाद तुझे जो सर्वशक्तिमान और उसके एकलौते पुत्र के साथ सदा-सर्वदा रहता और राज्य करता है। आमेन

7. मध्यस्थ प्रार्थना

आईये कलीसिया और अपनी अभिप्रायों के लिये हम प्रार्थना करें
हमारा उत्तर होगाः **पवित्र आत्मा, आइये।**
कलीसिया को एक नये पेंतेकोस्त के साथ फिर से जीवित करने के लिये...
पवित्र आत्मा, आइये।
खीस्तीयों के मध्य एकता बनाने के लिये...
पवित्र आत्मा, आइये।
हम पर क्षमाशीलता का आनंद प्रकट करने के लिये...
पवित्र आत्मा, आइये।
हमें अपने प्रेम से भरने के लिये ताकि हम अपना ह्रदय अपने पड़ोसी के लिये कभी न बंद करें...
पवित्र आत्मा, आइये।
हमारे जीवन को रूपांतरित करने के लिये एक नया आकाश और धरती लाइये जैसा कि आपने प्रतिज्ञा की...
पवित्र आत्मा, आइये।
इस तनाव और अनिश्चितता के समय में, हमारी आशा को पुर्नजीवित कीजिए...
पवित्र आत्मा, आइये।

(स्वाभाविक मध्यथ प्रार्थनाएँ)

जीसस यूथ सेंटर के लिए प्रार्थना

अब्बा पिता हम अपने आंदोलन और उसके सदस्यों पर तेरी प्रचुर कृपा के लिए तुझे धन्यवाद देते हैं। हम यह विश्वास और घोषणा करते हैं की तू हमारी हर ज़रूरत को पूरा करेगा। हम जीसस युथ ऑफिस प्रोजेक्ट को तेरे संरक्षण में रखते हुए यह विश्वास करते हैं, की तू इसकी ज़रूरत के सभी संसाधनों को प्राप्त करा रहा है। हम अपने सर्वस्व से तेरे राज्य को स्थापित करने के लिए अपने सहयोग की प्रतिबद्धता को दोहराते हैं। इस प्रोजेक्ट से जुड़े हुए हमारे सभी अगुवों को अपनी प्रज्ञा से मार्गदर्शित कर। तेरे और इस आंदोलन के प्रति प्रेम से प्रेरित होकर, जो कोई इस प्रोजेक्ट के लिए उदारता से सहयोग और योगदान देता है, उन्हें बहुतायत में आशीषित कर। यह जीसस युथ सेंटर तेरे राज्य की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहे, यह प्रार्थना करते है हम अपने प्यारे येसु ख्रीस्त के नाम पर। आमीन

8. समापन

अगुवाः आईये हम उन शब्दो में प्रार्थना करें जैसे कि प्रभु ने हमें सिखाया है
सभीः हे पिता हमारे ...
अगुवाः हम प्रार्थना करे, पवित्र आत्मा आप जो भृंगुर है उसमें जान फूँकते हैं। आपने जीवंत दयालुता और प्रेम की ज्वाला जो हम में, राख के ढेर के नीचे अब भी जीवित है, सुलगा दी है। और आपके द्वारा, हमारे हृदय का भय और अंधेरा, जीवन की एक नई सुबह बन सकते हैं।
सभीः आमेन
सभीः प्रभु हमें आशीष देवे, सभी बुराईयों से हमें बचाये, और हम सभी को अनंत जीवन प्रदान करे। आमेन

समापन गीत